eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 07, Issue 01, January 2024

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी का हिंदी साहित्य में योगदान

[1]श्रीमती लक्ष्मी देवी
[2]डॉ0 विक्रांत शर्मा
[1]शोध छात्रा, हिन्दी विभाग, पी0 के0 विश्वविद्यालय शिवपुरी म0प्र0।
[2]विभागाध्यक्ष कला संकाय – हिन्दी विभाग, पी0 के0 विश्वविद्यालय शिवपुरी म0प्र0।

Received: 20 Jan 2024, Accepted: 28 Jan 2024, Published with Peer Reviewed on line: 31 Jan 2024

Abstract

किसी भी साहित्यिक कृति को समझने के लिए साहित्यकार की व्यक्तिगत यात्रा एवं उनके विचारों को समझना आवश्यक है। यहॉ में आपको एक ऐसे शक्स से रू–ब–रू कराना चाहती हूॅ, जिन्होंने मॉ भारती के भण्डार को भरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी और निरन्तर वह साथनारत् हैं। जी हॉ मैं बात कर रहीं हूॅ देवभूमि उतराखण्ड की जहॉ के सपूत डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी की जो केन्द्रीय षिक्षा मंत्री ही नहीं बल्कि उत्तराखण्ड के 5 वें मुख्यमंत्री भी रहे। इन्होंने साधारण कार्यकर्ता से लेकर विधायक, सांसद, व मुख्यमंत्री तक का सफर तय करके उन्होंने अपनी प्रतिभा से सबको परिचित करा दिया। निशंक जी को एक उपन्यासकार, एक कवि व लेखक के रूप में जानने समझने के लिए उनका साहित्य ही दर्पण है। क्योंकि एक उपन्यासकार का व्यक्तित्व किसी न किसी रूप में अपने जीवन और समाज से प्रभावित व प्रेरित करने वाला होता है। उन्होने साहित्यिक जगत में अनेक प्रकार की विधाओं की रचना की है, चाहे उपन्यास हो, या कविताएं हो, कहानी आदि इन्होनें साहित्यिक जगत के लिए एक प्रेरणा का श्रोत बनाया। डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने अपने साहित्य में ग्रामीण एवं शहरी जीवन का उल्लेख किया, उनके जीवन की सहजता, सरलता, तत्परता और मानव मूल्यों के प्रति विकसित अवस्था उनके साहित्य में पल्लवित होती है। उनके उपन्यास जनमानस के लिए एक प्रेरणा का श्रोत बनकर सामने आया है।

शब्द कुंजी– भारतीय साहित्य, डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक, व्यक्तित्व, कृतित्व, हिंदी साहित्य में योगदान।

Introduction

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने हिंदी साहित्य को अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। डॉ0 निशंक जी का साहित्य अत्यंत विशाल है इन्होंने अपने साहित्य में ग्रामीण अंचल का बखूबी से वर्णन किया है। डॉ0 निशंक जी 21 वीं सदी के साहित्यकारों में श्रेष्ठ स्थान रखते हैं। इन्होने हिंदी साहित्य जगत को 200 से अधिक रचनाओं को लिखकर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कवि का परिचय

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी उत्तराखण्ड के पौडी गढवाल जिले के पिनानी गांव में 15 अगस्त 1959 को एक गढवाली ब्राह्मण परिवार में जन्म हुआ और बचपन से अत्यंत निर्धनता के

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 07, Issue 01, January 2024

बावजूद विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। जिससे वे गांव से पैदल चलकर 8वीं से बारहवी की परीक्षा कठिन संघर्षों में पास की। कभी रास्तों में बाढ आई तो कभी रास्तों में भूखा बाघ खडा होने के बावजूद भूखे, प्यासे, सर्दी गर्मी बरसात की चिंता किए वगैर अपनी मंजिल पर बढते रहे । डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने कुसुम कांता पोखरियाल से शादी की जिनसे उनकी तीन बेटियॉ हैं उनकी पत्नी का 50 वर्ष की आयु में 11 नवंबर 2012 को देहरादून में निधन हो गया । श्रीनगर गढवाल से एम0 ए0 करने के बाद शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया । तो शीघ्र ही भाजपा से चुनाव लडने की इजाजत मिल गई। विजयी होकर राजनीतिक सफर शुरू करते–करते मंत्री मुख्यमंत्री केन्द्र सरकार में पहले शिक्षा मंत्री आदि उच्च पदों पर रहकर अपनी लेखनी को भी जारी रखे हुए है। हिंदी साहित्य का खजाना भी अपनी बहुमूल्य कृतियों से भरते रहे और चूंकि मैं भी हिन्दी साहित्य से सरोकार रखती हूॅ तो मेरा भी यह नैतिक दायित्व है और छोटा सा प्रयास भी कि मैं आपको उनकी सभी साहित्यिक कृतियों से परिचित करा संकू।

डॉ0 निशंक जी हिंदी साहित्य में मूर्धन्य स्थान रखते हैं। उनके द्वारा हिंदी साहित्य को न केवल वर्तमान बल्कि चिरकाल तक याद रखा जाएगा।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा हिंदी साहित्य में प्रवेश से न केवल हिंदी साहित्य की शोबा बडी बल्कि उनके दवारा लिखित हिंदी साहित्य से पूरे विश्व में डॉ0 निशंक जी एक वट वृक्ष की तरह हिंदी साहित्य के लिए खडे हैं। डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में साहित्य की रचना की गई है। उनका साहित्य सृजन हिंदी साहित्य में उच्च कोटि का है।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा प्रस्तुत विधाओं में साहित्य सृजन किया गया है।

कहानी संग्रह– डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा कई छोटी–बड़ी कहानीयां लिखकर कई कहानी संग्रह तैयार किए हैं जिनके नाम और सत्र इस प्रकार हैं –

1– रोशनी की एक किरण 2008 में प्रकाशित।

2– बस एक ही इच्छा 2007 ।

3– क्या नही हो सकता 1993।

4– भीड साक्षी है 1993 ।

5– खडे हुए प्रश्न 2007 ।

6– विषय जीवित है 2007 ।

7– मेरा संकलन 2008 ।

8– एक और कहानी 2008 ।

9– मील के पत्थर 2010 ।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 07, Issue 01, January 2024

10– टूटे दायरे 2010 ।

11– केदार नाथ आपदा की सच्ची कहानी 2014 ।

12– 21 श्रेष्ठ कहानियां 2014 ।

कविता संग्रह – डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने अपने काव्य संग्रह में अनेक कविताएं लिखकर अपनी सुकोमल हृदय का भी परिचय दिया है जो निम्नलिखित कविता संग्रह में संकलित है–

1–नवांकुर 1983 में प्रकाशित ।

2–मुझे विधाता बनना है 1984।

3–तुम भी मेरे साथ चलो 1986।

4–देश हम ना जलने देंगे।

5–जीवन पथ में 1989।

6–मातृभूमि के लिए1992।

7–कोई मुश्किल नही 2005।

8–प्रतिष्ठा 2006।

9–ऐ वेतन तेरे लिए 2007।

10–संघर्ष जारी है 2009।

उपन्यास साहित्य– डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने हिंदी साहितय में भारतीय समाज और संस्कृति पर आधारित उपन्यास लिखकर एवं अलंकृत या शोभा बढाई है।

डॉ0 निशंक जी के उपन्यास निम्नलिखित हैं–

1– मेजर निराला 1997 वाणी प्रकाशन नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

2– निशांत 2008 में भावना प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित।

3– वीरा 2008 में वाणी प्रकाशन से प्रकाशित।

4– पहाड से ऊंचा 2008 में वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित।

5– अपना–पराया 2010 में प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित।

6– पल्लवी 2010 में भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित।

7– प्रतिज्ञा 2010में प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

8– कृतघ्न 2015 में प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली में प्रकाशित।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 07, Issue 01, January 2024

9– भागोंवाली 2015 में प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली में प्रकाशित।

10– शिखरों के संघर्ष ।

11– छूट गया पडाव 2016 में वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित।

12– जिंदगी रूकती नही 2022 में वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा 12 उपन्यास लिखे गये हैं जो कि भारतीय संस्कृति की अनुपम झलक दिखलाती है।

यात्रा वृतांत– डॉ रमेश पोखरियाल निशंक जी ने विभिन्न प्रदेशों और देशों की यात्रा करके अलग–अलग यात्रा वृतांत लिखे हैं जिनमें से प्रमुख निम्न हैं–

1–एक दिन भूटान में।

2–खुशियों का देश भूटान।

3–चॉकलेट की वैश्विक राजधानी बेल्जियम।

4–पूर्वी अफ्रीका का प्रवेश द्वार युगांडा।

5–भारतीय संस्कृति संवाहक इंडोनेशिया।

बाल साहित्य– डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा बाल कहानियां भी लिखी गई हैं जिसमें प्रमुख हैं–

1– आओं सीखें कहानी से।

वैचारिकी– डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा अपने स्वतंत्र विचारों को बी पुस्तकों में संकलित किया गया है जिनमें प्रमुख निम्न लिखित हैं–

1–पं0 दीन दयाल उपाध्याय।

2–मानव के प्रणेता महर्षि अरविंद।

निबंध संग्रह– 1–मूल्य आधारित शिक्षा।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा उपरोक्त निबंध को बहुत अच्ची शैली में लिखा गया है।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा जीवनी भी लिखी गई है जो कि दृ

1–सपने जो सोने ना दे।

प्रमुख लेख– डॉ0 निशंक जी द्वारा कुछ प्रमुख लेख भी लिखे गए हैं जिनमें प्रमुख निम्न हैं–

1–हिमालय का महाकुंभ नंदा राज जात यात्रा 2009।

2–स्पर्श गंगा ,2–उत्तराखंड की पवित्र नदियां।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 07, Issue 01, January 2024

3–सफलता के अचूक मंत्र 2010 हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित।

4–कर्म पर विश्वास करें भाग्य पर नही 2011 ।

इन रचनाओं के अलावा मेरी व्यथा का संपादन 1998 में किया।

धरती का स्वर्ग भाग 2 ।

नंदा गाडेस ऑफ हिमालया (हिमालय की नंदा राज– जात यात्रा का अंग्रेजी अनुवाद।

फिल्म लेखक के रूप में – डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने उत्तराखंडी फिल्म **मेजर निराला** की पूरी कहानी लिखी है। जिसका प्रोमो रविवार को दिल्ली में रिलीज हुआ इस फिल्म का प्रोमो पूर्व थल सेनाध्यक्ष एंव विदेश राज्यमंत्री जनरल वी.के.सिंह (रिटा0) भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अभिनेता एंव लोकसभा सांसद मनोज तिवारी आदि उपस्थित थे। इस फिल्म की कहानी एक फौजी के अदम्य साहस की बीच मार्मिक हालातों लेकर आगे बढ़ती है। यह फिल्म हिमश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है।

डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी का पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अहम योगदान रहा। देश भक्ति से प्रभावित उनकी कृतियों की सर्वत्र प्रशंसा होने लगी थी। डॉ0 निशंक जी महान विद्वान हैं जिन्होनें साहित्यिक, राजनैतिक, समाज सेवा और पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉ0 निशंक जी सीमांत वार्ता के प्रधान संपादक भी हैं वे नई चेतना शोध संस्थान के संपादक व निर्देशक भी रहे। इन्होने नई राह नई चेतना शोध पत्रिका का संपादन भी किया।

निष्कर्ष– डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक जी ने हिंदी साहित्य को अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। डॉ0 निशंक जी का साहित्य अत्यंत विशाल है इन्होंने अपने साहित्य में ग्रामीण अंचल का बखूबी से वर्णन किया है। डॉ0 निशंक जी 21 वीं सदी के साहित्यकारों में श्रेष्ठ स्थान रखते हैं। इन्होने हिंदी साहित्य जगत को 200 से अधिक रचनाओं को लिखकर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। डॉ0 निशंक जी की रचनाएं विश्व स्तर की होने का मुख्य कारण रचनाओं की पृष्ठभूमि ग्रामीण अंचल रही है। उन्होने ग्रामीण अंचल को अपने साहित्य में जगह देकर न केवल हिंदी साहित्य को विश्व स्तरीय बनाया है बल्कि हिंदी साहित्य की श्रेष्ठता को विश्व स्तरीय बनाकर अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

सन्दर्भ सूची : –

1. रूद्रप्रयाग जिले के मणिगुह के पुस्तकालय से प्राप्त जानकारी ।
2. इंटरनेट विकीपिडिया से प्राप्त जानकारी ।
3. मॉडर्न दून लाइब्रेरी से प्राप्त जानकारी ।